

ये अव्यक्त इशारे

ज्वालामुखी योग तपस्या द्वारा वायुमण्डल का परिवर्तन करो

24-08-2023

ज्वाला स्वरूप की स्थिति का अनुभव करने के लिए निरन्तर याद की ज्वाला प्रज्वलित रहे। इसकी सहज विधि है -सदा अपने को “सारथी“ और “साक्षी“ समझकर चलो। आत्मा इस रथ की सारथी है -यह स्मृति स्वतः ही इस रथ (देह) से वा किसी भी प्रकार के देहभान से न्यारा बना देती है। स्वयं को सारथी समझने से सर्व कर्मेन्द्रियाँ अपने कन्ट्रोल में रहती हैं। सूक्ष्म शक्तियाँ “मन-बुद्धि-संस्कार“ भी ऑर्डर प्रमाण रहते हैं।

Transform the atmosphere with volcanic yoga tapasya.

In order to experience the volcanic stage, let the flame of constant remembrance always be lit. The easy way to do this is always to move along while considering yourself to be a charioteer and a detached observer. The soul is a co-charioteer of this chariot. This awareness easily makes you detached from this chariot (body) and any type of body consciousness and all your physical senses are then under your control. Even the subtle organs of the mind, intellect and sanskars are under your orders.